भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3109

दिनांक 18 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

बीबीएमबी के अंतर्गत जलाशयों और बांधों में गाद जमाव का स्तर

†3109. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) और सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) के अंतर्गत आने वाले जलाशयों और बांधों में वर्तमान गाद का स्तर क्या है तथा सरकार द्वारा निर्धारित जलसंधारण क्षमता को बहाल करने के लिए गाद निष्कासन और तलछट प्रबंधन के प्रमुख उपाय क्या हैं;

(ख) जलविद्युत संधारणीयता में सुधार और निचले इलाकों में बाढ़ नियंत्रण को सुदृढ़ बनाने के लिए इन जलाशयों में गाद निष्कासन में तेजी लाने हेतु केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में कौन सी कार्रवाइयां की गई हैं;

(ग) बीबीएमबी और एसजेवीएनएल द्वारा हिमाचल प्रदेश सरकार के समक्ष प्रस्तुत और वर्तमान में लंबित गाद निष्कासन, तलकर्षण, जलग्रहण क्षेत्र उपचार, वनीकरण और जल निकासी से संबंधित कौन-कौन से प्रस्ताव हैं और उनकी समय पर मंजूरी सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(घ) क्या बीबीएमबी और एसजेवीएनएल उच्च गाद प्रवाह से निपटने के लिए उन्नत तलकर्षण प्रौद्यागिकियों, अद्यतन जलवैज्ञानिक सर्वेक्षणों और पूर्वानुमान तलछट मॉडलिंग प्रणालियों जैसे अतिरिक्त उपायों पर विचार कर रहे हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या मंत्रालय की बीबीएमबी और एसजेवीएनएल को भंडारण क्षमता में कमी को रोकने, जलाशय सुरक्षा बढ़ाने और राष्ट्रीय जल एवं ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए एकीकृत वित्तीय, तकनीकी एवं नीतिगत सहायता प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) : भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) हिमाचल प्रदेश में दो भंडारण बांधों नामतः भाखड़ा बांध और पोंग बांध का संचालन करता है। अब तक, भाखड़ा जलाशय का जल भंडारण 9.87 बीसीएम के अपने कुल सकल भंडारण का लगभग 26% और 7.43 बीसीएम के अपने लाइव भंडारण का लगभग 19% घट गया है। पोंग जलाशय का जल भंडारण 8.57 बीसीएम के अपने कुल सकल भंडारण का लगभग 14% और 7.30 बीसीएम के अपने लाइव भंडारण का लगभग 12% घट गया है। इसके अलावा, बीबीएमबी दो डायवर्जन संरचनाओं नामतः नंगल बांध और पंडोह बांध का भी संचालन करता है जहां मानसून के दौरान गाद फ्लशिंग की जाती है।

सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) की बांध/बैराज संरचनाओं वाली दो परियोजनाएं नामतः नाथपा झाकरी जल विद्युत स्टेशन (एचपीएस) (1500 मेगावाट) और नैटवार मोरी एचपीएस (60 मेगावाट) हैं। दोनों परियोजनाएं छोटे तालाबों के साथ रन-ऑफ-रिवर स्कीमें हैं। अब तक, नाथपा जलाशय 3.43 एमसीएम का सकल भंडारण और 3.03 एमसीएम का लाइव भंडारण शत-प्रतिशत बनाए हुए है। इसके अलावा, नैटवार जलाशय 0.281 एमसीएम का सकल भंडारण और 0.206 एमसीएम का लाइव भंडारण शत-प्रतिशत बनाए हुए है। लाइव भंडारण क्षमताओं को संरक्षित करने के लिए, विशेष रूप से मानसून के मौसम के दौरान, आवश्यकतानुसार गाद फ्लशिंग की जाती है।

(ख) : जलाशयों के तलछट प्रबंधन की आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए, भारत सरकार ने तलछट प्रबंधन गतिविधियां शुरू करने में बांध स्वामियों की सहायता करने के लिए कुछ सक्रिय कार्रवाई शुरू की है। एक कदम आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय जल आयोग द्वारा वर्ष 2019 में "जलाशय तलछट के आकलन एवं प्रबंधन हेतु हैंडबुक" प्रकाशित की गई है, जो बाँध स्वामियों द्वारा तलछट प्रबंधन गतिविधियों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज़ के रूप में कार्य करती है। इसके अलावा, जल संसाधन विभाग, जल शक्ति मंत्रालय ने नदी बेसिनों में तलछट प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए अक्टूबर 2022 में "तलछट प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय फ्रेमवर्क" नामक एक रूपरेखा दस्तावेज प्रकाशित किया है।

(ग) : गाद निकालने और तलछट प्रबंधन के संबंध में, बीबीएमबी ने हिमाचल प्रदेश सरकार को अपने बांधों की गाद निकालने/ड्रेजिंग के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। तथापि, एसजेवीएनएल के संबंध में ऐसा कोई प्रस्ताव हिमाचल प्रदेश सरकार के पास लंबित नहीं है।

(घ) : बीबीएमबी पानी के स्तर को कम किए बिना गहरे ड्रेजिंग संचालन की संभावना तलाश रहा है। इसके अलावा, एसजेवीएनएल ने नाथपा बांध के लिए तलछट संचय की निगरानी करने और भंडारण क्षमता को अनुकूलित करने हेतु जलाशय फ्लशिंग की योजना बनाने के लिए नियमित जल-तल सर्वेक्षण करने का प्रस्ताव किया है जिसका उपयोग जलाशय की गहराई और पानी के नीचे की स्थलाकृति को मापने के लिए किया जाता है।

(ङ) : बांध पुनरुद्धार और सुधार परियोजना (डीआरआईपी) चरण II और III के तहत, स्थायी जल भंडारण, कुशल बांध प्रबंधन और बाढ़ नियंत्रण पहलू के लिए चयनित बांधों के सुरक्षा पहलुओं में सुधार हेतु बीबीएमबी की सहायता की जा रही है।

****